Regd. With the Registrar of News Papers of India at PUN BIL/2002/07848
Postal Reg. No. GDP-41/2017-19

मजिल्स अन्सारुल्लाह भारत का तर्जुमान

मासिक

अन्सारुल्लाह

क़ादियान

मार्च/ 2020 ई०

Annual Subscription: Rs. 210/- (Per Issue: Rs. 20/-
(Weight : 50-100, grms / Issue)

मज्लिसअन्सारुल्लाह चिंताकुंटा ज़िला महबूबनगर (तेलंगाना) में आयोजित गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर आदरणीय महमूद अहमद बाबु अमीर ज़िला उपस्थितगण को संबोधित करते हुए।

आदरणीय शमीम अहमद साहिब ज़ईम अन्सारुल्लाह सिकंदराबाद एवं मज्लिस अन्सारुल्लाह सिकंदराबाद के सदस्य गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर एक वृद्धआश्रम में फल एवं अन्य उपयोगी समान भेंट करते हुए।

मज्लिस अन्सारुल्लाह बोकारो (झारखंड) में आयोजित तरबियती इज्लास के अवसर पर आदरणीय रफ़ीक़ अहमद बेग साहिब क़ाईद् माल मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत अध्यक्षता करते हुए।

मज्लिस अन्सारुल्लाह बोकारो (झारखंड) में आयोजित तरबियती इज्लास का एक दृश्य।

मज्लिस अन्सारुल्लाह वरंगल (तेलंगाना) द्वारा आयोजित तब्लीगी प्रोग्राम का एक दृश्य।

मज्लिस अन्सारुल्लाह ओडिशा द्वारा आयोजित तब्लीगी प्रोग्राम का एक दृश्य।

मज्लिस अन्सारुल्लाह सिमलिया (झारखंड) में आयोजित मीटिंग के बाद आदरणीय रफ़ीक़ अहमद बेग साहिब क़ाईद माल मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत के साथ एक ग्रुप फोटो।

05 फ़रवरी 2020ई. को मज्लिस अमिला अन्सारुल्लाह रांची (झारखंड) द्वारा आयोजित मीटिंग में आदरणीय रफ़ीक़ अहमद बेग साहिब क़ाईद माल मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत संबोधित करते हुए।

मज्लिस अन्सारुल्लाह काटरापल्ली ज़िला वरंगल (तेलंगाना) में आयोजित मीटिंग के बाद आदरणीय अशफ़ाक अहमद साहिब नाज़िम ज़िला वारंगल,एवं मुहम्मद अकबर साहब मुबल्लिग़ इंचार्ज के साथ एक ग्रुप फोटो।

01 फ़रवरी 2020 ई. को मज्लिस अमिला अन्सारुल्लाह ज़िल्ला कन्नूर, कालीकट, मलप्पुरम (नार्थ इलाका केरला) द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के अवसर अहमदिया कब्रिस्तान में सामूहिक दुआ का दृश्य एवं इस अवसर पर उपस्थित अंसार मज्लिस का इतिहास सुनते हुए।

CMYK

निगरान
अताउल मुजीब लोन
सम्पादक
सय्यद रसूल नियाज़
उप-सम्पादक
तनवीर अहमद मलिक
09781831652
मैनेजर
मक्सूद अहमद भट्टी
Ph. +91 84272 63701
कम्पोज़िंग
तसनीम अहमद बट्ट
प्रैस
फ़ज़्ले उमर प्रिंटिंग प्रैस
क़ादियान
वार्षिक मूल्य : 210 ₹
विदेश : 50 अमरीकी डॉलर
प्रकाशन स्थान
ऐवाने अन्सार, भारत
क़ादियान - 143516
ज़िला : गुरदासपुर, पंजाब
फोन : 01872-220186
फैक्स : 01872-224186

بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡد

یٰۤاَیُّہَا الَّذِیۡنَ اٰمَنُوۡا کُوۡنُوۡۤا اَنۡصَارَ اللّٰہِ
سورۃ الصف آیت ۱۵

मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत का प्रवक्ता

मासिक पत्रिका

अन्सारुल्लाह

क़ादियान

Volume - 18 मार्च 2020 **Issue - 3**

विषय सूची	पृष्ठ
दर्सुल क़ुर्आन	2
दर्सुल हदीस	2
हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के प्रवचन	3
सम्पादकीय - हस्ती-ए-बारी तआला - हज़रत मुस्लेह मौऊद रज़ीयल्लाहु तआला अन्हु	4
सदर मज्लिस अन्सारुल्लाह का निवेदन - अपनी हालतों में बदलाव लाएँ	6
मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत 2020 के इज्तिमा में शारीरिक एवं बौद्धिक प्रतिस्पर्धाओं की रूप रेखा	8

Printed & Published by Shoaib Ahmad M.A. and owned by Majlis Ansarullah Bharat Qadian and Printed at Fazle Umar Printing Press, Harchowal Road, Qadian Distt. Gurdaspur 143516, Punjab, INDIA and Published at Office Majlis Ansarullah Bharat, P.o. Qadian, Distt. Gurdaspur 143516 Punjab India. Editor Syed Rasool Niyaz

قرآن کریم दर्सुल क़ुर्आन

وَاِذْ قَالَ عِيْسَى ابْنُ مَرْيَمَ يٰبَنِيْٓ اِسْرَآءِيْلَ اِنِّيْ رَسُوْلُ اللّٰهِ اِلَيْكُمْ مُّصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيَّ مِنَ التَّوْرٰىةِ وَمُبَشِّرًا بِرَسُوْلٍ يَّاْتِيْ مِنْۢ بَعْدِي اسْمُهٗٓ اَحْمَدُ ؕ فَلَمَّا جَآءَهُمْ بِالْبَيِّنٰتِ قَالُوْا هٰذَا سِحْرٌ مُّبِيْنٌ ○ وَمَنْ اَظْلَمُ مِمَّنِ افْتَرٰى عَلَى اللّٰهِ الْكَذِبَ وَهُوَ يُدْعٰٓى اِلَى الْاِسْلَامِ ؕ وَاللّٰهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظّٰلِمِيْنَ ○ (सूर: अस्सफ़-6 से 7)

अनुवाद - और (याद करो) जब ईसा इब्ने मरयम ने अपनी क़ौम से कहा कि हे बनी इस्राईल, मैं अल्लाह की ओर से तुम्हारी ओर रसूल होकर आया हूँ, जो (कलाम) मेरे से पहले नाज़िल हो चुका है अर्थात तौरात, उसकी भविष्य वाणियों को मैं पूरा करता हूँ तथा एक ऐसे रसूल की भी सूचना देता हूँ जो मेरे बाद आएगा, जिसका नाम मुहम्मद होगा। फिर जब वह रसूल प्रमाण लेकर आ गया तो उन्होंने कहा यह तो खुला खुला धोखा है और उससे अधिक अत्याचारी कौन हो सकता है जो अल्लाह पर झूठ बांधे जबकि वह इस्लाम की ओर बुलाया जाता है और अल्लाह ज़ालिमों को कभी हिदायत नहीं देता।

दर्सुल हदीस

اَلَا اِنَّ عِيْسَى بْنَ مَرْيَمَ لَيْسَ بَيْنِيْ وَبَيْنَهٗ نَبِيٌّ وَلَا رَسُوْلٌ۔ اَلَا اِنَّهٗ خَلِيْفَتِيْ فِيْ اُمَّتِيْ مِنْ بَعْدِيْ۔ اَلَا اِنَّهٗ يَقْتُلُ الدَّجَّالَ وَيَكْسِرُ الصَّلِيْبَ وَيَضَعُ الْجِزْيَةَ، وَتَضَعُ الْحَرْبُ اَوْزَارَهَا اَلَا مَنْ اَدْرَكَهٗ فَلْيُقْرِأْ عَلَيْهِ السَّلَامَ۔

अनुवाद - सावधान रहो कि ईसा बिन मरयम (मसीह मौऊद) और मेरे बीच में कोई नबी या रसूल नहीं होगा। ख़ूब सुन लो कि वह मेरे बाद उम्मत में मेरा ख़लीफ़: होगा, वह अवश्य दज्जाल का वध करेगा। सलीब (अर्थात सलीबी आस्था) के टुकड़े टुकड़े कर देगा तथा सुअर को नष्ट कर देगा (अर्थात उसकी प्रथा विलुप्त हो जाएगी क्योंकि) उस समय (धार्मिक) युद्धों का समापन हो जाएगा। याद रखो जिसे भी उनसे भेंट का सौभाग्य मिले, वह उन्हें मेरा सलाम अवश्य पहुंचाए।

(तिबरानी अलऔसत वस्सग़ीर, बहवाला अख़बार बदर 22 से 29 मार्च 2018)

हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के दिव्य उपदेश

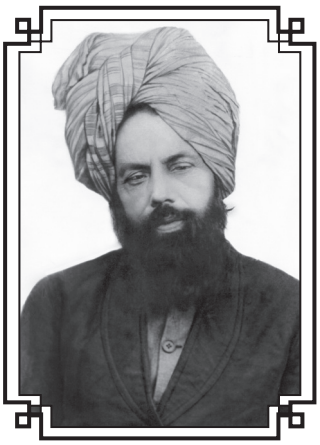

मैं अपने दावे को मिनहाजे नबुव्वत की कसौटी पर पेश करता हूँ

हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम फ़रमाते हैं-

"मिन्हाजे नबुव्वत (नबियों के तरीक़े) पर इस सिलसिले को परखें और फिर देखें कि हक़ किसके साथ है। काल्पनिक नियमों तथा योजनाओं से कुछ नहीं बनता और न मैं अपनी पुष्टि काल्पनिक बातों से करता हूँ। मैं अपने दावे को मिनहाजे नबुव्वत की कसौटी पर पेश करता हूँ फिर क्या कारण है उसी सिद्धांत पर उसकी सच्चाई को न परखा जावे। जो दिल खोल कर मेरी बातें सुनेंगे मैं विश्वास रखता हूँ कि लाभान्वित होंगे और मान लेंगे, परन्तु जो दिल में संकीर्णता तथा द्वेष रखते हैं उनको मेरी बातें कोई लाभ न दे सकेंगी। उनकी तो अहवल (भेंगा) जैसी उपमा है जो एक के दो देखता है उसको चाहे कितने ही प्रमाण दिए जाएँ कि दो नहीं एक ही है वह स्वीकार नहीं करेगा। कहते हैं कि एक अहवल सेवक था, उसके स्वामी ने उसको कहा कि भीतर से दर्पण ले आओ, वह गया तथा वापस आकर कहा कि भीतर तो दो दर्पण पड़े हैं, कौनसा ले आऊँ? उसके स्वामी ने कहा कि एक ही है, दो नहीं। अहवल ने कहा तो क्या मैं झूठा हूँ? उसके मालिक ने कहा कि अच्छा एक को तोड़ दे। जब तोड़ा गया तो उसे ज्ञात हुआ कि वास्तव में मेरी ग़लती थी। परन्तु इन अहवलों का जो मेरे विरुद्ध हैं, क्या जवाब दूँ? अत: हम देखते हैं कि ये लोग बार बार यदि कुछ पेश करते हैं तो हदीसों का भंडार, जिसको स्वयं ये धारणा के स्तर से आगे नहीं बढ़ाते। इनको पता नहीं कि एक समय आएगा कि इनके झूठ तथा व्यर्थ की बातों पर लोग हंसी करेंगे। यह प्रत्येक सत्य के अभिलाषी का अधिकार है कि वह हमसे हमारे दावे का प्रमाण मांगे। इसके लिए हम वही पेश करते हैं जो नबियों ने पेश किया, क़ुर्आन की आयतें और हदीसें, बुद्धिसंगत प्रमाण अर्थात समय की आवश्यकताएँ जो एक सुधारक के लिए अनिवार्य हैं। फिर वे निशान जो ख़ुदा ने मेरे हाथ पर ज़ाहिर किए, मैंने एक मानचित्र बना दिया है उसमें लगभग डेढ़ सौ निशान दिए हैं जिनके साक्षी एक प्रकार से करोड़ों इंसान हैं। अश्ष्टि बातें पेश करना नेक लोगों का काम नहीं। आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने इसी लिए फ़रमाया था कि वह निर्णायक बन कर आएगा, उसका निर्णय स्वीकार करो। जिन लोगों के दिल में शरारत होती है वे चूँकि मानना नहीं चाहते इस कारण से अश्ष्टि आपत्तियाँ एवं आरोप पेश करते रहते हैं परन्तु वे याद रखें कि अन्तत: ख़ुदा तआला अपने ज़ोर आवर हमलों से मेरी सच्चाई प्रकट करेगा। मैं विश्वास रखता हूँ कि यदि मैं झूठ घढ़ता तो वह मुझे तुरन्त नष्ट कर देता किन्तु मेरा पूरा कारोबार उसका अपना कारोबार है और मैं उसी की तरफ़ से आया हूँ, मुझे झुठलाना उसको झुठलाना है, इस लिए वह स्वयं मेरा यथार्थ प्रकट कर देगा।"

(मल्फ़ूज़ात, भाग 4 पृष्ठ 34,35 संस्करण 1985, प्रकाशन इंगलिस्तान)

सम्पादकीय

ग़ल्ब-ए-इस्लाम के लिए हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम का अनथक प्रयास

ग़ल्ब-ए-इस्लाम के लिए आप सदैव कठोर परिश्रम किया करते थे कई बार लिखने के काम में पूरी पूरी रात लगा दी तथा एक पल के लिए भी आराम न किया, इसी प्रकार आप भूख सहने की शक्ति रखते थे। युवा अवस्था में एक बार निरन्तर 8,9 महीने के रोज़े रखे, यहाँ तक आपका आहार दिन रात में केवल कुछ तोला रह गया। इस परिश्रम तथा कड़ी मेहनत के दो रंग विशेष रूप से स्पष्ट थे, एक हर पल काम में व्यस्त रहना तथा दूसरे उस ध्यान एवं लगन से काम में लगे रहना कि आस पास के किसी भी हंगामे से प्रभावित न होना। जिस ज़माने में आपकी व्यस्तता हर पल अध्ययन थी, आपने स्वयं फ़रमाया- "उन दिनों में मुझे किताबों के देखने की ओर इतना अधिक ध्यान था कि मानो मैं दुनिया में न था।"

(किताबुल बरिय्या, रूहानी ख़ज़ायन भाग 13 पृष्ठ 181 हाशिय:)

हज़रत मौलान अब्दुल करीम सियालकोटी रज़ी. लिखते हैं- "मैंने देखा है कि हज़रत अक़दस अलै. नाज़ुक (सूक्ष्म) से नाज़ुक निबन्ध लिख रहे हैं, यहाँ तक कि अरबी भाषा में अद्वित्तीय समृद्ध पुस्तकें लिख रहे हैं, तथा पास ही क़यामत का हंगामा चल रहा है, नासमझ बच्चे तथा मूढ़ स्त्रियाँ झगड़ रही हैं, चींख़ रही हैं, चिल्ला रही हैं, यहाँ तक कि उनमें से कुछ आपस में एक दूसरे को पीट रही हैं तथा नारियों वाली पूरी हरकतें कर रही हैं, परन्तु हज़रत यूँ लिखे जा रहे हैं, तथा काम में इतना अधिक व्यस्त हैं कि मानो एकांत में बैठे हों। ये समस्त अद्वित्तीय तथा महान पुस्तकें अरबी, उर्दू तथा फ़ारसी की, ऐसे ही मकानों में लिखी हैं। मैंने एक बार पूछा - इतने शोर में हुज़ूर को लिखने में या सोचने में तनिक भी कठिनाई नहीं होती। मुस्कुरा कर फ़रमाया- मैं सुनता ही नहीं, कठिनाई क्या हो तथा कैसे हो।"

(सीरत हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम, द्वारा-हज़रत मौलाना अब्दुल करीम सियालकोटी, पृष्ठ 22,23, लेख 6 जनवरी 1900)

ग़ल्ब-ए-इस्लाम के लिए महान अभियानों को पूरा करने के लिए आपने जहाँ अनथक परिश्रम किया वहीं अत्यंत प्रभाव पूर्ण शब्दों में समस्त संसार को बार बार अपने मुक़ाबले की दावत दी ताकि धार्मिक विश्व के प्रतिनिधि मुक़ाबले पर आवें तथा इस्लाम के ग़ल्ब: की सम्भावनाएँ स्पष्ट हों। अत: आप फ़रमाते हैं-

"सब साहिबों को क़सम है कि हमारे मुक़ाबले में तनिक देर न करें, अफ़लातून बन जावें, बेकन का अवतार धारण कर लें, अरिस्तो की दृष्टि और विचार लावें, अपने काल्पनिक ख़ुदाओं के आगे निवेदन के हाथ जोड़ें, फिर देखें जो हमारा ख़ुदा

ग़ालिब आता है अथवा आप लोगों के झूठे पूजनीय।"

(बराहीने अहमदिया, भाग 2, पृष्ठ 3,4)

"यदि मेरे विरुद्ध समस्त विश्व की क़ौमें एकत्र हो जाएँ तथा इस बात की आमने सामने परीक्षा हो कि किस का ख़ुदा अप्रत्यक्ष की सूचनाएँ देता है तथा किस की दुआएँ क़बूल करता है और किस की सहायता करता है और किस के लिए बड़े बड़े निशान दिखाता है तो मैं ख़ुदा की क़सम खा कर कहता हूँ कि मैं ही ग़ालिब रहूँगा, क्या कोई है कि इस परीक्षा में मेरे मुक़ाबले पर आवे।"

(हक़ीक़तुल वह्यी, रूहानी ख़ज़ायन, भाग 22 पृष्ठ 181,182)

हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह अलख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ फ़रमाते हैं-

"मुसलमानों में अधिकांश लोगों का आज भी यही हाल है ..... सांसारिक अभिलाषाओं की पूर्ति के लिए जितना व्यय किया जाता है, दीन के लिए उसका दसवाँ भाग भी नहीं ..... इस्लाम को फैलाने के लिए कोई प्रयास नहीं है और यदि तथाकथित कोशिश है तो वह कट्टरवाद की है कि हमने शक्ति प्रदर्शन से इस्लाम को फैलाना है इस प्रकार विभिन्न दल बन चुके हैं, या मसीह मौऊद की या उसकी जमाअत के विरोध की कोशिश हो रही है। अत: सदैव यह याद रखना चाहिए कि अब यदि इस्लाम दुनिया में फैलना है तो अल्लाह के भेजे हुए इस सन्देश वाहक के माध्यम से ही फैलना है, यह अल्लाह तआला का सिद्धांत है।"

(ख़ुत्बः जुम्अः 22 मार्च 2019)

हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की शिक्षा तथा जीवन चरित्र हमें यह सिखाता है कि हम भी निष्ठा तथा वफ़ा के साथ ग़ल्ब-ए-इस्लाम के लिए कड़ी मेहनत करें। इस मार्ग में आने वाली रुकावटों की चिंता न करें, अल्लाह तआला हम सबको इसकी तौफ़ीक़ अता फ़रमाए। आमीन

हाफ़िज़ सय्यद रसूल नियाज़

❁❁❁

"शिक्षा प्राप्त करना हर मुस्लिम पुरुष एवं स्त्री का कर्त्तव्य है"

MUSTAFA BOOK CO

All kinds of Academic Book of Kerala Board, CBSE, ISCS & Universities

Fort Road
KANNUR-1 (KERALA)
Mobile : 09895655426

INDIAN AUTO

हर प्रकार की मोटर गाड़ियों के पार्टस सस्ते रेट पर खरीदें।

P. Ali Koya
CALICUT (KERALA)

सदर मजलिस अन्सारुल्लाह का निवेदन

अपनी हालतों में बदलाव लाएँ

लगभग प्रत्येक धर्म एवं समूह के अनुयायी अन्तिम युग में एक मौऊद की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसी प्रकार मुसलमानों के समस्त सम् प्रदाय भी इमाम मेहदी और मसीह मौऊद के आगमन के लिए आँखें बिछाए हुए हैं। यद्यपि आने की स्थिति के बारे में कुछ मतभेद है किन्तु आगमन पर सभी सहमत हैं। क़ुर्आन करीम ने इसी अन्तिम युग में इस्लाम के सम्पूर्ण ग़ल्ब: की शुभसूचना मुसलमानों को दी है। जैसा कि अल्लाह तआला क़ुर्आन करीम में फ़रमाता है

هُوَ الَّذِيْٓ اَرْسَلَ رَسُوْلَهٗ بِالْهُدٰى وَدِيْنِ الْحَقِّ لِيُظْهِرَهٗ عَلَي الدِّيْنِ كُلِّهٖ ۙ وَلَوْ كَرِهَ الْمُشْرِكُوْنَ (सूर: अस्सफ़ 10)

अर्थात वही है जिसने अपने रसूल को हिदायत और दीन-ए-हक़ के साथ भेजा ताकि वह उसे दीन के (प्रत्येक विभाग) पर पूर्णत: ग़ालिब कर दे, चाहे मुशरिक बुरा मनाएँ।

यह ग़ल्ब: नि:सन्देह आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की दिव्य शक्ति का ही परिणाम होगा तथा समस्त टीकाकारों की इस पर सहमति है कि यह ग़ल्ब: मसीह मौऊद व मेहदी मअहूद के युग में होगा।

हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के आगमन के विषय में क़ुर्आन करीम तथा हदीसों में विभिन्न पेशगोइयों का वर्णन मिलता है। कथनों में मतभेद का कारण यह है कि ख़िलाफ़त-ए-राशिदा के बिखराव के बाद प्रत्येक दल ने दूसरे दल पर प्रमुखता पाने के लिए कुछ बदलाव किए हैं अतएव वे रिवायतें जो मेहदी को किसी विशेष परिवार से सम्बंधित बताती हैं, विश्वास योग्य न रहीं अपितु वही रिवायतें विश्वस्त रहीं जिनमें मेहदी के आँहज़रत स. की उम्मत में प्रकट होने का वर्णन मिलता है। इस विषय में यदि इस्लाम के दो सिद्धांतों को सम्मुख रखते हुए विचार किया जाए तो मसीह मौऊद के स्तर एवं पद के बारे में किसी सन्देह की आशंका नहीं रहती। 1- क़ुर्आन करीम को प्राथमिकता दी जाए। 2- भविष्य वाणियों में गुप्त सन्देश अवश्य होता है। यदि निष्ठा एवं सुधारणा के साथ इन दो सिद्धांतों के अनुसार विचार करें तो इस समस्या का निदान हो जाता है।

क़ुर्आन करीम में وَاٰخَرِيْنَ مِنْهُمْ (सूर: अलजुम्अ : 4) के शब्द आते हैं। यहाँ मिन्हुम का अर्थ है रसूलुल्लाह के सहाबी। स्वयं आँहज़रत स. अपने सहाबियों रज़ी. को सम्बोधित होकर मसीह मौऊद की सूचना देते हुए इमामुकुम मिनकुम (बुख़ारी) के शब्दों में शुभसूचना देते हैं कि तुम्हारा

इमाम तुम ही में से होगा। इससे स्पष्ट है कि आने वाला मसीह इसी उम्मत में से होगा न कि बनी इस्राईल का नबी होगा। क़ुर्आन करीम की कई आयतों से साबित है कि हज़रत मसीह इब्ने मरयम का देहान्त हो चुका है। मसीह मौऊद के पद के बारे में समस्त क़ौमों तथा सम् प्रदायों की सहमति है कि वह पहली नियुक्ति से बढ़ कर होगा। आँहज़रत स. ने आने वाले मसीह को नबीउल्लाह फ़रमाया है (मुस्लिम)। हज़रत मसीह मौऊद अलै. अपने पद के विषय में स्वयं फ़रमाते हैं-

"मैं अपने बारे में नबी या रसूल के नाम से कैसे इंकार कर सकता हूँ और जबकि ख़ुदा तआला ने यह नाम मेरे रखे हैं तो मैं कैसे रद्द करूँ या क्योंकर उसके अतिरिक्त किसी अन्य से डरूँ। मुझे उस ख़ुदा की क़सम है जिसने मुझे भेजा है और जिस पर झूठ बांधना धिक्कृत लोगों का काम है कि उसने मसीह मौऊद बनाकर मुझे भेजा है.....मेरे लिए आसमान भी बोला और ज़मीन भी कि मैं ख़लीफ़तुल्लाह हूँ।"

(एक ग़ल्ती का अज़ाला, रूहानी ख़ज़ायन, भाग 18 पृष्ठ 210)

हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह अलख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ फ़रमाते हैं-

"अल्लाह तआला ने.....आप अलै. को जहाँ उम्मती नबी होने का पद अता फ़रमाया वहाँ ख़ातमुल ख़ुल्फ़ा के पद से भी सुशोभित किया..... अत: हम भाग्य शाली हैं कि आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की इस शुभ सूचना से लाभान्वित होने वालों में शामिल हैं.....अल्लाह तआला की ये समस्त कृपाएँ प्रत्येक अहमदी से अनुरोध करती हैं कि उसका आभारी बनते हुए अपनी हालतों में वह बदलाव लाएँ।"

(ख़ुत्बः जुम्अः 29 मई 2015)

अत: दुआ है कि अल्लाह तआला समस्त मुसलमानों तथा विश्व स्तरीय जातियों को इमामुज़्ज़माँ पर ईमान लाने की तौफ़ीक़ अता फ़रमाए। आमीन

अताउल मुजीब लोन

सदर मजलिस अन्सारुल्लाह भारत

❁❁❁

Mobile : 9572858090, 9955553631

NEW MOBILE POINT

TABASSUM FANCY STORE

Mosabi Market No. 3, East Singhbhum
JHARKHAND Pin - 832104

Cell : 09886083030

زبیر احمد شحنہ

ZUBER

Engineering Works
Body Building All Types of
Welding and Grill Works
HK Road - YADGIR-585201
Dist. Gulbarga - Karnataka

मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत 2020 के इज्तिमा में शारीरिक एवं बौद्धिक प्रतिस्पर्धाओं की रूप रेखा

स्थानीय तथा ज़िला स्तरीय इज्तिमा में आयोजित किए जाने वाले शैक्षिक तथा शारीरिक व्यायाम के मुक़ाबलों की रूप रेखा प्रकाशित की जा रही है ताकि इसी के अनुसार स्थानीय तथा ज़िला स्तरीय इज्तिमा के लिए अन्सारुल्लाह के सदस्यगण तय्यारी कर सकें तथा मर्कज़ी वार्षिक इज्तिमा अन्सारुल्लाह भारत 2020 के अवसर पर भी यही मुक़ाबले आयोजित होंगे।

ज्ञान वर्धक मुक़ाबले

1- मुक़ाबला हुस्ने क़िरअत - (समय 2 मिन्ट निश्चित है) प्रथम श्रेणी- (ग्रेजुएट, मुअल्लिम अन्सार)। द्वित्तीय श्रेणी- (ग्रेजुएट से कम अन्सार)। विशेष श्रेणी- (मुबल्लिग़ीन किराम)। मुक़ाबले से पहले टैस्ट लिया जाएगा, तिलावत देखकर करने की अनुमति होगी ताकि कोई नासिर ग़लत न पढ़े।

निम्नलिखित सूरतों की तिलावत की जा सकती है-

1- सूर: बनी इस्राईल -24 से 26 तीन आयतें

وَقَضٰى رَبُّكَ ..... لِلْاَوَّابِيْنَ غَفُوْرًا

2- सूर: बनी इस्राईल-79 से 81 तीन आयतें

اَقِمِ الصَّلٰوةَ ..... سُلْطٰنًا نَّصِيْرًا

3- सूर: नूर-आयत-ए-इस्तख़लाफ़

وَعَدَ اللّٰهُ الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا .....

4- सूर: अस्सफ़- अन्तिम आयत

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا كُوْنُوْٓا اَنْصَارَ اللّٰهِ

5- सूर: अलजुम्अ- अन्तिम रकूअ

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْٓا ..... وَاللّٰهُ خَيْرُ الرّٰزِقِيْنَ

6- सूर: अलमुनाफ़िक़ून- अन्तिम रकूअ

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا لَا تُلْهِكُمْ اَمْوَالُكُمْ

2 - मुक़ाबला हिफ़्ज़-ए-क़ुर्आन - सूर: अलबक़रा की आरम्भिक 17 आयतें, अन्तिम पारा अम्म की अन्तिम 20 सूरतें (सूर: अत्तीन से सूर: अन्नास तक)

3 - मुक़ाबला नज़्म ख़्वानी (कविताएँ)- (समय 2 मिन्ट) प्रथम श्रेणी, द्वित्तीय श्रेणी तथा

विशेष श्रेणी के लिए (केवल निम्नलिखित कविताओं में से ही कोई एक कविता मुक़ाबले में पढ़ी जाए)

1- (दुर्रे समीन से) - जमालो हुस्ने क़ुर्आं नूरे जाँ हर मुसलमाँ है।

2- किस क़दर ज़ाहिर है नूर उस मबदाउल अनवार का।

3- ऐ ख़ुदा ऐ कारसाज़ो ऐब पोशो किर्दगार।

4- हम्दो सना उसी को जो ज़ाते जावदानी। (कलाम-ए-महमूद से)

5- बढ़ती रहे ख़ुदा की मुहब्बत ख़ुदा करे।

6- है दस्ते क़िबला नुमा ला इलाहा इल्लल्लाह।

7- मैं अपने प्यारों की निस्बत हर गिज़ न करुंगा पसन्द कभी। (कलाम-ए-ताहिर से)

8- ऐ शाहे मक्की व मदनी सय्यदुल वरा।

9- हज़रत सय्यद वुल्दे आदम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम। (बुख़ार-ए-दिल से)

10- बदरगाहे ज़ीशान ख़ैरुल अनाम। (है दराज़ दस्ते दुआ मेरा से)

11- ख़ुदा का यह एहसान है हम पे भारी।

5- मुक़ाबला तक़रीर - (समय 3 मिन्ट) प्रथम श्रेणी, द्वित्तीय श्रेणी तथा विशेष श्रेणी-

विषय -

1- हमारा ख़ुदा।

2- सीरत आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम।

3- सीरत हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम।

4- मजलिस अन्सारुल्लाह की स्थपना का उद्देश्य।

5- तर्बियत औलाद और अन्सारुल्लाह की ज़िम्मेदारियाँ।

6- ख़िलाफ़त-ए-ख़ामसा का बाबरकत दौर।

7- क़ुर्आन-ए-करीम की तिलावत का महत्त्व।

8- दुनिया के ज्ञान तथा विज्ञान की उन्नति में इस्लाम की भूमिका।

9- शआयरल्लाह का महत्त्व।

10. इन्फ़ाक़ फ़ी सबीलिल्लाह और मजलिस अन्सारुल्लाह।

5- मुक़ाबला कुइज़- (निसाब) 'अलवसिय्यत' सम्पूर्ण किताब, ख़िताब हुज़ूर-ए-अनवर- (1)17 जनवरी 2020 (2)3 जनवरी 2020- सामान्य ज्ञान (जी.के.)

आवश्यक निर्देश - 50 से कम तज्नीद की मजलिस से कुइज़ में एक टीम और 50 से अधिक तज्नीद की मजलिस से दो टीमें, एक टीम दो सदस्यों की होगी, अन्य समस्त ज्ञान

वर्धक मुक़ाबलों में 50 से कम तजनीद की मजलिसों से 2 अन्सार और 50 से अधिक तजनीद वाली मजलिसों से 4 अन्सार मुक़ाबलों में भाग ले सकते हैं।

शारीरिक व्यायाम के मुक़ाबले

1- प्रथम श्रेणी -

(क) 50 मीटर दौड़

(ख) म्यूज़िकल चियर

(ग) रिंग

(घ) बैड मिन्टन

(स) धीमे साईकिल चलाना

2- द्वित्तीय श्रेणी -

(अ) 100 मीटर दौड़

(ब) रिंग

(ज) बैड मिन्टन

(द) साईकिल रेस

3- संयुक्त श्रेणी -

(अ) वॉली बॉल

(ब) रस्सा कशी

(ज) म्यूज़िकल चेयर

(द) निशाना ग़ुलेल

सदर

मजलिस अन्सारुल्लाह भारत

SONET SOLUTIONS
PRIVATE LIMITED
No.41, II Cross, Doctors Layout,
Kasturi Nagar,
BANGALORE - 560043
तालिबे दुआ :
MUSADDIQ AHMAD
Mobile : 098451-98560
Tel : +91 (80) 41636612
Web : www.sonetsolutions.in

Mob: 9008510546
Akmal Tailor
Hill Road, Madikeri - 571201

Pants, Shirts & All Gents Wears Stitching Here

Maqbool Ahmed Cell : 9949310679
: 9949209561
Plant Medicine
Special Treatment for : Kidney Failure, Kidney Enlarge, Shrinkage, Kidney Gall Bladder Stone, Piles
H. No. 18-2-69/a, Jangammet, Falaknuma, Hyderabad - 53